BA PART 3 QUESTION PAPER- 2017

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न-पत्र : अद्यतन काव्य **M. M. : 33**

नोट—निर्देशानुसार **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नांकित प्रत्येक व्याख्या खण्ड से किन्हीं **दो-दो** काव्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए—

खण्ड—'क' $3 \times 2 = 6$

(अ) शिवजी की तीसरी आँख से
निकली हुई महाज्वाला में
घृतमिश्रित सूखी समिधा-सम

http://www.dbrauonline.com

http://www.dbrauonline.com

PTO

कामदेव जब भस्म हो गया
रति का क्रंदन सुन आँसू से
तुमने ही तो दृग धोए थे ?
कालिदास, सच-सच बतलाना
रति रोई या तुम रोये थे ?

(ब) किन्तु हम हैं द्वीप।
हम धारा नहीं हैं।
स्थिर समर्पण है हमारा।
हम सदा से द्वीप हैं स्रोतस्विनी के।
किन्तु हम बहते नहीं हैं। क्योंकि बहना रेत होना है।
हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।
पैर उखड़ेंगे। प्लवन होगा। बहेंगे। सहेंगे। बह जाएँगे।
और फिर हम पूर्ण होकर भी कभी क्या धार बन सकते ?
रेत बनकर हम सलिल को तनिक गंदला ही करेंगे।
अनुपयोगी ही बनाएँगे।

(स) मेरे लहू की एक-एक बूँद किसके लिए समर्पित होती है
यह तर्पण किसके लिए होता है ?
सुबह के अन्न देव के लिए ?
शाम के अन्न देव के लिए ?
जिसका नाम चारा है;
यह एक मोटी और स्पष्ट बात है,
गीत नहीं
कि वह चारा है और मैं बेचारा।

(द) यह जो कज्जल पुता खानों में उतरता है
वह चमाचम विमानों को आकाश में उड़ाता है,
यह जो नंगे बदन, दम साध पानी में उतरता है
और बाजार के लिए पानीदार मोती निकाल लाता है,
यह जो कलम घिसता है, चाकरी करता है पर सरकार को चलाता है
उसकी मैं व्यथा हूँ।

खण्ड—'ख' $3 \times 2 = 6$

(अ) क्रमशः बदली हैं
झूठ ने सवारियाँ
आज तो वह सुरसांनिक पर है
और सच आज भी
पाँव-पाँव चल रहा है
इतना ही हो सकता है किसी दिन
कि देखें हम
सच सुस्ता रहा है
थोड़ी देर छाँव में
और
सुपरसांनिक किसी झंझट में पड़कर
जल रहा है

(ब) शून्यों से घिरी हुई पीड़ा ही सत्य है
शेष सब अवास्तव अयथार्थ मिथ्या है भ्रम है

http://www.dbrauonline.com
http://www.dbrauonline.com

सत्य केवल एक जो कि
दुःखों का क्रम है
मैं कनफटा हूँ हेठा हूँ
शेव्रलेट-डॉज के नीचे मैं लेटा हूँ
तेलिया लिवास में पुरजे सुधारता हूँ
तुम्हारी आज्ञाएँ ढोता हूँ।

(स) मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत
इतिहासों की सामूहिक गति
सहसा झूँठी पड़ जाने पर
क्या जाने
सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले।

(द) जब भी फूल खिलता है
मुझे पूर्ण करता है।
गन्ध—
अतिरिक्त कृपा है फूल की।
मिट्टी को रंगना
कितनी सार्थक है रचना।
कहाँ-कहाँ
किन-किन रूपों में
अपने धर्म को निभाती हो।
करुणा की यह काँवर
कैसे-कैसे एकान्तों तक ले जाती हो।

(दीर्घ उत्तरीय/आलोचनात्मक प्रश्न)

2. अधोलिखित दोनों खण्डों में से **एक-एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए— $3 \times 2 = 6$

खण्ड—क $3 \times 1 = 3$

(अ) अज्ञेय के काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(ब) ''शमशेर बहादुर सिंह के काव्य में छायावाद, प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद तीनों काव्य धाराओं की विशेषताएँ विद्यमान हैं।'' इसकी उदाहरण देते हुए पुष्टि कीजिए।

(स) ''नागार्जुन के काव्य में मानवीय संवेदनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति हुई है।'' सप्रमाण विवेचना कीजिए।

(द) प्रयोगवादी काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

खण्ड—ख $3 \times 1 = 3$

(अ) भवानीप्रसाद मिश्र के काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

(ब) गजानन माधव मुक्तिबोध की कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(स) सिद्ध कीजिए कि धर्मवीर भारती के काव्य में भाव एवं कला पक्षों का सुन्दर समन्वय हुआ है।

(द) नरेश मेहता की काव्यगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(लघु उत्तरीय प्रश्न) $1 \times 5 = 5$

3. अधोलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(अ) केदारनाथ अग्रवाल ने लोक जीवन का सटीक चित्रण किया है। संक्षेप में लिखिए।

(आ) शिवमंगल सिंह 'सुमन' पूँजीवादी व्यवस्था के प्रबल विरोधी हैं। समझाइए।

(इ) हिन्दी गजलकार के रूप में दुष्यन्त कुमार का स्थान निर्धारित कीजिए।

(ई) आलोक धन्वा के कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

http://www.dbrauonline.com
http://www.dbrauonline.com

(उ) केदारनाथ अग्रवाल की 'वसंती हवा' कविता की दो विशेषताएँ लिखिए।
(ऊ) शिवमंगल सिंह 'सुमन' की दो रचनाओं के नाम लिखिए।
(ए) दुष्यन्त कुमार की दो काव्य-कृतियों के नाम लिखिए।
(ऐ) प्रगतिवादी काव्य की दो विशेषताएँ बताइए।

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

4. अधोलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $1 \times 5 = 5$

(अ) 'तार सप्तक' के सम्पादक का नाम बताइए।
(आ) प्रगतिवाद के दो कवियों के नाम लिखिए।
(इ) केदारनाथ अग्रवाल की एक रचना का नाम लिखिए।
(ई) 'हरा चैक' कविता के रचयिता कौन हैं ?
(उ) प्रयोगवादी काव्यधारा का प्रवर्तक किसे माना जाता है ?
(ऊ) आलोक धन्वा की किसी एक रचना का नाम लिखिए।
(ए) नागार्जुन का वास्तविक नाम बताइए।
(ऐ) 'गीत फरोश' कविता के रचनाकार कौन हैं ?

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

6. प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्पों में से एक सही विकल्प चुनिए— $1 \times 5 = 5$

(i) शिवमंगल सिंह 'सुमन' किस काव्यधारा के कवि माने जाते हैं ?
(अ) प्रगतिवाद (ब) प्रयोगवाद (स) छायावाद (द) नवगीत।

(ii) 'टूटा पहिया' कविता के रचयिता हैं—
(अ) नागार्जुन (ब) धर्मवीर भारती (स) मुक्तिबोध (द) अज्ञेय।

(iii) दूसरा तार सप्तक किस वर्ष में प्रकाशित हुआ ?
(अ) सन् 1943 ई. में (ब) सन् 1951 ई. में
(स) सन् 1959 ई. में (द) सन् 1979 ई. में।

(iv) प्रयोगवाद का प्रारम्भ कब से माना जाता है ?
(अ) सन् 1936 ई. से (ब) सन् 1943 ई. से
(स) सन् 1950 ई. से (द) सन् 1960 ई. से।

(v) निम्नलिखित में से कौन-सी कविता के रचयिता नागार्जुन हैं ?
(अ) बादलों को घिरते देखा है (ब) नदी के द्वीप
(स) ब्रह्मराक्षस (द) मेरा संकल्प।

http://www.dbrauonline.com
http://www.dbrauonline.com